बसपा नेता दंडोतिया ने ली भाजपा की सदस्यता

भोपाल (काप्र)।

भाजपा न्यू जॉइनिंग कमेटी के संयोजक डॉ नरोत्तम मिश्रा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर में बहुजन समाज पार्टी के मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा के पूर्व विधायक बलवीर दण्डोतिया ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई।

डॉ. यादव ने कहा कि दंडोतिया ने भाजपा की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकासोन्मुखी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री श गोविन्द सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, पार्टी प्रत्याशी श्रीमती लता वानखेडे, विधायक शैलेन्द्र जैन, प्रदीप लारिया, जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया उपस्थित रहे।

परिवर्तन की हुंकार भरते हुए कांग्रेस के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाएं एवं

लोकतंत्र बचाने के चुनाव में अपना योगदान दें: पटवारी

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम की नामांकन रैली को संबोधित किया, इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नेतागण झाबुआ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया की नामांकन रैली में भी सम्मिलित हुए। साथ ही धार लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल की नामांकन रैली में श्री पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव, राज्यसभा सदस्य श्री तन्खा के साथ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया।

श्री पटवारी ने कहा कि मेरा जनता से अनुरोध है कि कांग्रेस पार्टी का समर्थन करें और मोदी की झूठी गारंटी के नाम पर देश को भ्रमित करने वाली भाजपा को आईना दिखाएं। भाजपा संविधान और लोकतंत्र को समाप्त करने के लिए कुचक्र तैयार कर रही है, लेकिन देश की जनता इनके मंसूबे पूरे नहीं होने देगी। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है।

श्री पटवारी ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने जो गारंटियों विधान सभा के चुनाव के वक्त जनता को दी थीं उनका हिसाब किताब करने का वक्त अब आ गया है। भाजपा ने जमकर इन दस सालों में भ्रष्टाचार किया, इलेक्टोरल बांड्स के जरिए शराब माफियाओं से चंदा लेकर उन्हें राहत पहुंचाई गई, अब मोदी जी दस साल बाद महंगाई व बेरोजगारी की बात न करके मांस, मटन, मुसलमान, माओवादी, मंगलसूत्र इत्यादि की बातें कर जनता को फिर से गुमराह करना चाहते हैं। श्री पटवारी ने कार्यकर्ताओं एवं जनता से आग्रह किया कि भविष्य की परिस्थितियों को मन में रखकर लड़ाई सभी कार्यकर्ता लड़ें ताकि सरपंच से सांसद तक निर्वाचन के चुनाव में प्रतिनिधि को चुनने का अधिकार आपके ही पास रहे।

मतदान को लेकर तनाव में आयोग, कलेक्टरों को फील्ड में दौड़ाया

पहले चरण में मतदान प्रतिशत घटने से आयोग की उड़ी नींद

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश में पहले चरण की 6 सीटों पर मतदान प्रतिशत घटने से चुनाव आयोग की नींद उड़ गई है। सालों बाद पहली बार हो रहा है कि आयोग मतदान को लेकर तनाव में दिखाई दे रहा है। अगले चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर आयोग ने कलेक्टरों को फील्ड में दौड़ा दिया है।

साथ ही फरमान जारी किया है कि जागरूकता के लिए वे खुद लोगों के बीच जाएं। जिले के चुनाव अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा करें। साथ ही चुनाव आयोग ने दीवार लेखन एवं प्रचार के अन्य माध्यमों से भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। प्रदेश में दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को 6 सीट टीकमगढ़, दमोह, खजुराहो, सतना, रीवा और होशंगाबाद में मतदान होना है। इन सीटों पर 2019 में औसत 67.65 फीसदी मतदान हुआ था। ऐसे में आयोग के सामने इतना मतदान कराने की चुनौती है। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार पहले चरण के बाद से ही आयोग अगले चरण के मतदान प्रतिशत को लेकर बेहद गंभीर हो गया। नियमित बैठकों में जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ इस मसले पर चर्चा होती है। पहले चरण की अपेक्षा अगले चरणों वाली सीटों पर जिला अधिकारियों ने क्षेत्र के दौरे बढ़ा दिए हैं। गांव-गांव जागरूकता कार्यक्रम हो रहे हैं। जिनमें चुनाव अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही नुक्कड़ नाटक एवं प्रचार रथों के फेरे बढ़ा दिए गए हैं। लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने के लिए जागरूक किया जा रहा है। मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अगले चरणों में ज्यादा मतदान होगा। लोग मतदान को लेकर जागरूक हैं। प्रचार रथ चुनाव क्षेत्रों में घूम रहे हैं। दीवार लेखक एवं अन्य प्रचार माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, जिलों में कलेक्टर अपने स्तर पर कोशिशें कर रहे हैं। जिले के यूथ आइकॉन, समाज के प्रतिनिधि, धर्मगुरुओं का भी सहारा लिया जा रहा है। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक एवं प्रशासन की टीमें पहुंचकर लोकतंत्र के पर्व में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

वोटिंग के आंकड़ों पर नजर डालें, तो पिछले लोकसभा चुनाव में इन सीटों पर 67.64 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा 74.17 प्रतिशत वोटिंग होशंगाबाद में और सबसे कम 60.33 प्रतिशत वोटिंग रीवा में हुई थी। पहले फेज में 19 अप्रैल को मप्र की जिन छह सीटों पर 67.08 प्रतिशत वोटिंग हुई, उन पर 2019 के चुनाव में 75.23 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस तरह इन सीटों पर वोटिंग में 8.15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। दूसरे फेज में भी वोटिंग का यही ट्रेंड रहा, तो मप्र में मतदान 60 प्रतिशत के पार पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। यही वजह है कि चुनाव आयोग वोटिंग बढ़ाने के प्रयासों में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। उधर, दूसरे फेज में देश की सभी 89 सीटों पर वोटिंग बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग एक्शन मोड में आ गया है।

प्रशिक्षण से लौटे नौ आईएएस अधिकारियों की पदस्थापना

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2023 बैच के नौ प्रशिक्षु अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रथम चरण के प्रशिक्षण के बाद जिलों में सहायक कलेक्टर बनाया गया है।

जिन अधिकारियों को जिलों में सहायक कलेक्टर बनाया गया है उनमें वसीम अहमद भट को धार, शिवम यादव को शाजापुर, गगन सिंह मीना को उज्जैन, काजोल सिंह को छतरपुर, प्रपंज आर को रीवा, महिपाल सिंह गुर्जर को अनूपपुर, शुभम कुमार यादव को नरसिंहपुर, आकिप खान को मंडला और पंकज वर्मा को सिवनी में सहायक कलेक्टर बनाया गया है। ये सभी मसूरी में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद जिले में कार्यभार ग्रहण करेंगे। ये सभी अब पूर्णकालिक रूप से जिलों में काम संभालेंगे। ये राजस्व से जुड़े काम देखेंगे इसके बाद इन्हें अन्य योजनाओं के संचालन में भी लगाया जाएगा।

एम्स में वार्षिक विच्छेदन कंपटीशन आयोजित

भोपाल (काप्र)।

एम्स के एनाटॉमी विभाग द्वारा 24 को वार्षिक विच्छेदन एवं हिस्टोलॉजी ड्राइंग कंपटीशन आयोजित किया गया। इस अवसर पर एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने बड़े ध्यान से विद्यार्थियों द्वारा किए गए विच्छेदन को देखा और साथ ही उससे जुड़े हुए सवाल भी किये। उन्होंने बच्चों को विभिन्न अंगों के बारे में बताया। प्रो. सिंह ने विच्छेदन और हिस्टोलॉजी ड्राइंग प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया। आपने कहा कि मैं इन विद्यार्थियों में मेडिकल के क्षेत्र में एक बेहतर भविष्य देख रहा हूं और इन छात्रों ने आज जो डिसेक्शन किया है वह निश्चित रूप से उनके ज्ञान और उनकी लगन को प्रदर्शित करता है। आज की इस प्रतियोगिता में जितने भी बच्चों ने भाग लिया उन सभी को पुरस्कृत किया जाए, क्योंकि सभी ने कड़ी मेहनत और परिश्रम के साथ अपने-अपने काम को किया है। इस विच्छेदन प्रतियोगिता में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 125 छात्रों ने भाग लिया। इन 125 विद्यार्थियों से कुल मिलाकर पांच टीमें बनाई गई थीं, जिन्होंने विच्छेदन तकनीक और शरीर रचना विज्ञान पर आधारित अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रत्येक टीम को मानव शरीर के अलग-अलग भागों का विच्छेदन करना था। उनके विच्छेदन कार्य को एम्स के विशेषज्ञों के साथ-साथ बाहर से आए विशेषज्ञों ने भी उनकी निपुणता को देखा और उसको सराहा। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रदर्शन का मूल्यांकन भी किया।

मप्र में दो दिन बारिश, ओले-आंधी का अलर्ट

35 जिले भीगेंगे; भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में भी बारिश

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन यानी 26 अप्रैल तक बारिश, आंधी और ओले का अलर्ट है। 25 और 26 अप्रैल को करीब 35 जिलों में मौसम बदला रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत पूरा मालवा-निमाड़ भी भीगेगा। इससे पहले मंगलवार को छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में बारिश हुई। छिंदवाड़ा में ओले भी गिरे। इससे दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट भी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में ऐसा सिस्टम है। लगातार 5 दिन से बारिश हो रही है। छठवें दिन बुधवार को भी मौसम ऐसा ही रहा।

बारिश के बीच मंगलवार को कई जिलों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। खरगोन में टेम्प्रेचर सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, नरसिंहपुर में पारा 41 डिग्री रहा। खंडवा, खजुराहो, नौगांव और रीवा में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.9 डिग्री, इंदौर में 38.4 डिग्री, ग्वालियर में 39.5 डिग्री, जबलपुर में 38.3 डिग्री और उज्जैन में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 31.4 डिग्री रहा। सिवनी में 34.2 डिग्री और छिंदवाड़ा में 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस : सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि बीते 24 घंटे में कई जिलों में बारिश हुई है। पूर्वी-पश्चिमी दोनों ही हिस्सों में मौसम बदला रहा। वर्तमान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजर रही है। 26 अप्रैल को पश्चिमी भारत से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहा है। इस कारण अगले कुछ दिन तक प्रदेश में बारिश जारी रहेगी। 27 अप्रैल को प्रदेश में बारिश होने का अभी अलर्ट नहीं है, लेकिन बादल छाए रहेंगे। इनमें आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट जिले शामिल हैं।

मदन लाल मेहरा ईसीबी कर्मचारी समिति के बने अध्यक्ष

भोपाल (काप्र)। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी समिति कर्मचारी चयन मंडल भोपाल की नई कार्यकारिणी का गठन चिनार पार्क में बैठक आयोजित करके प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे द्वारा किया गया।

मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारी चयन मंडल समिति में मदनलाल मेहरा अध्यक्ष, लीलाबाई मेढ़ा उपाध्यक्ष, मनमोहन कौरव सचिव, प्रमिला मुहारे सचिव, अतुल मालवीय सह सचिव, आसाराम अहिरवार प्रचार मंत्री, मनीष रजक प्रचार मंत्री, रामदयाल कुशवाहा, कमलेश सेन, अर्जुन जखनाउरे को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है। नव नियुक्त कार्यकारिणी कर्मचारी चयन मंडल में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों के लिए समय-समय पर पहल करने के लिए अधिकृत रहेगी।

लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग आज से

10 हजार कर्मचारी सीखेंगे चुनाव कराने की बारिकियां

भोपाल (काप्र)।

राजधानी के 10 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को 25 से 30 अप्रैल तक लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग दी जाएगी। सात सेंटरों पर वे ईवीएम, मॉक पोल, वोटिंग, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक बारीकियां सीखेंगे। ट्रेनिंग में उन्होंने क्या सीखा इसका भी वे एग्जाम भी देंगे।

परीक्षा में फेल होने वाले कर्मचारी को अगले दिन फिर से ट्रेनिंग दी जाएगी। पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी। भोपाल के कुल 2034 मतदान केंद्रों पर 7 मई को वोटिंग होगी। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इसलिए उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ट्रेनिंग 25 अप्रैल से शुरू होगी। जिसमें 10 हजार 66 कर्मचारी ट्रेनिंग लेंगे। हर दिन एवरेज 1700 कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। कुल 72 मास्टर ट्रेनर्स उन्हें ट्रेनिंग देंगे। इनमें ईवीएम मास्टर ट्रेनर्स भी शामिल हैं। सहायक नोडल अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया, 7 सेंटर्स पर पीओ, पी-1, पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों को ट्रेनिंग मिलेगी। इनमें से पी-2 और पी-3 कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी। इसलिए उन्हें गंभीरता से ट्रेनिंग लेने को कहा गया है। पीओ और पी-1 लेवल के करीब 4200 कर्मचारियों को मतदान से पहले 3-4 मई को फाइनल ट्रेनिंग दी जाएगी।

सीहोर विधानसभा की ट्रेनिंग वहीं पर होगी : भोपाल लोकसभा में कुल 8 विधानसभा- बैरसिया, नरेला, गोविंदपुरा, हुजूर, भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और सीहोर शामिल हैं। भोपाल जिले की 7 विधानसभा के कर्मचारियों को यहीं पर ट्रेनिंग मिलेगी, जबकि सीहोर विधानसभा के कर्मचारियों को सीहोर में ही ट्रेनिंग दी जाएगी।

आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें: राजन

भोपाल (काप्र)। ग्वालियर-चंबल संभाग के लोकसभा चुनाव पर भारत निर्वाचन आयोग की विशेष निगाह है। दोनों संभागों में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर आयोग सतर्क और गंभीर है। इसलिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए व जिला बदर सहित अन्य सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। इस आशय के निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश अनुपम राजन ने ग्वालियर-चंबल संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक में दोनों संभागों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर मतदान केन्द्र तक व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। बुधवार को ग्वालियर की तानसेन रेसीडेंसी में हुई बैठक में पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एवं राज्य पुलिस नोडल आफिसर अंशुमन सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विवेक श्रोत्रिय, कमिश्नर ग्वालियर डॉ. सुदाम खाड़े व कमिश्नर चंबल संजीव कुमार झा, पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर अरविंद सक्सेना, डीआईजी चंबल कुमार सौरभ तथा ग्वालियर की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान और पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित दोनों संभागों के सभी जिलों के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि अंतर्राज्यीय व अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखें। अवैध धन, मदिरा व अन्य मादक पदार्थ व अवैध हथियारों सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त करें। साथ ही इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने बाउण्डओवर की कार्रवाई में तेजी लाने और जिला बदर आदेश का कड़ाई से पालन करने पर विशेष बल दिया।

कमाई में वाणिज्यिक कर पड़ा अन्य विभागों पर भारी

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश सरकार के खजाने पर मंडराते आर्थिक संकट के बीच वाणिज्यिक कर विभाग ऐसा विभाग बनकर उभरा है, जिसके द्वारा अन्य विभागों की तुलना में सर्वाधिक कमाई की गई है।

अगर इस विभाग की कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में इस विभाग ने 75 हजार 350 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसमें भी खास बात यह है कि कोरोना संकट के बाद से बीते दो सालों से प्रदेश सरकार के राजस्व संग्रहण में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। वाणिज्यिक कर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 में 75 हजार 350 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया। यह राजस्व तीन मदों में प्राप्त हुआ है। इसमें वाणिज्यिक कर, महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक और आबकारी शामिल है। राजस्व संग्रहण में बढ़ोतरी कर्ज लेकर काम चला रही सरकार के लिए बहुत अच्छा संकेत माना जा रहा है। विभाग की जानकारी के मुताबिक वाणिज्यिक कर में राजस्व 2021-22 में 38,963 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 51,460 करोड़ रुपए हो गया। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक में 2021-22 में राजस्व 8160.7 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 10,320 करोड़ रुपए हो गया। ऐसे ही आबकारी में वर्ष 2021-22 में राजस्व 10,395 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 13,580 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2021-22 में तीनों मदों को मिलाकर कुल राजस्व संग्रहण लगभग 57 हजार करोड़ था, जो दो वर्षों में बढ़कर 75 हजार करोड़ से अधिक हो गया है। बीते एक साल में महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक में राजस्व संग्रहण में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। यह संपत्तियों के पंजीकरण को कवर करती है। वर्ष 2022-23 में महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक में राजस्व संग्रहण 8890.72 करोड़ रुपए था, जो 2023-24 में बढ़कर 10,320 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में आबकारी मद में सबसे कम वृद्धि हुई, जो शराब के ठेकों से संबंधित है। वर्ष 2022-23 में इस मद में 13,005 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था, जो 2023-24 में बढ़कर 13,580 करोड़ हो गया।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के न्यायाधिपति विवेक अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में बुधवार को केन्द्रीय जेल भोपाल में परिरूद्ध बंदियों के लिए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं गांधी मेडीकल कॉलेज शासकीय हमीदिया अस्पताल भोपाल के सुगम समन्वय से चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन पाण्डया द्वारा ऑनलाईन कन्सलटेशन टेली-मेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ऑनलाईन चिकित्सकीय परामर्श में 10 दण्डित बंदी, 12 विचाराधीन बंदी, 6 महिला बंदी एवं एक बच्चे सहित कुल 29 व्यक्तियों को ऑनलाईन कन्सलटेशन के माध्यम से चर्मरोग संबंधी परामर्श एवं उपचार सुझाया गया। जिला न्यायाधीश / सचिव भोपाल श्रीमती आरती शर्मा द्वारा व्यक्त किया है कि जेल में परिरूद्ध बंदियों के लिए इस प्रकार की ऑनलाईन कन्सलटेशन टेली-मेडिसिन प्रक्रिया से शीघ्र स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त होना, निश्चित ही मील का पत्थर साबित होगा।

किसानों की कर्जमाफी रोकने के लिए सिंधिया जिम्मेदार

भोपाल (काप्र)।

मध्य प्रदेश में किसानों को लेकर राजनीति जारी है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने इसी मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों की कर्ज माफी रोकने के लिए सिंधिया को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि 100 रुपये में 100 यूनिट बिजली नहीं मिल पाने के लिए सिंधिया जिम्मेदार हैं। साथ ही गौशालाओं का निर्माण नहीं होने के लिए सिंधिया जिम्मेदार हैं।

दरअसल अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया का एक स्टेटमेंट पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने लिखा था, यदि 2020 में सरकार नहीं गिराता तो लाडली बहनों का पैसा दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की जेब में चला जाता। इसलिए 2020 में कांग्रेस की सरकार गिराकर पैसा बनाने वाली मशीन के तार काट दिए। इस को लेकर कांग्रेस नेता ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सिंधिया को घेरा है।

मुंबई हाईकोर्ट का फैसला ऐतिहासिक बोहरा समाज ने जताया सभी का आभार

भोपाल (काप्र)।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने सैयदना सैफुद्दीन की नियुक्ति को दी गई चुनौती के मामले में बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जी.एस. पटेल द्वारा दिए गए फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए इसे समुदाय के लिए ऐतिहासिक फैसला बताया है।

अपने फैसले में कोर्ट ने दोनों पक्षों द्वारा पेश किये गये साक्ष्यों और तर्कों के आधार पर विचार के बाद यह माना है, कि 52वें अल-दाई अल-मुतलक, सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन ने अपने पुत्र, सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को अपना उत्तराधिकारी और दाऊदी बोहरा समाज के 53वें अल-दाई अल-मुतलक के रूप में नियुक्त किया था। सैयदना सैफुद्दीन की नियुक्ति को दी गई चुनौती और इसके आधार पर पेश किए गए तर्कों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए मूल वादी खुजेमा कुतुबुद्दीन और वर्तमान वादी उनके पुत्र ताहिर कुतुबुद्दीन के दावों को खारिज कर दिया है। फैसले में कोर्ट द्वारा वादी द्वारा दाऊदी बोहरा धर्म के तथ्यों और धार्मिक सिद्धांतों की गलत व्याख्या और भ्रामक चित्रण को भी सिरे से खारिज कर दिया गया है। फैसले को लेकर बोहरा समाज के प्रवक्ता मुर्तज़ा सदरीवाला और भोपाल के स्थानीय मीडिया इंचार्ज इब्राहिम अली दाऊदी ने कहा कि हम हमेशा से भारतीय न्यायपालिका में विश्वास करते रहे हैं, और हमें उस पर पूरा भरोसा है, जिसने बार-बार सैयदना और दाऊदी बोहरा समुदाय की सदियों पुरानी मान्यताओं, रीति-रिवाजों, प्रथाओं और सिद्धांतों की पुष्टि की है। हम इस अवसर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति गौतम पटेल को पिछले 10 सालों से इस जटिल मामले की धैर्यपूर्वक सुनवाई करने और निर्णय देने में जितना समय लगा, उतना समय देने के लिए धन्यवाद देते हैं। कहा कि हम स्वर्गीय इब्राहिम ए.के. फैजुल्लाभॉय के नेतृत्व में अपने सभी सॉलिसिटरों और अधिवक्ताओं के प्रति भी आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हैं,